(101HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOV 2022.

First Semester

Hindi

Paper I — HISTORY OF HINDI LITERATURE

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण पर प्रकाश डालिये।

   (b) पृथ्वीराज रासों की प्रमाणिकता पर प्रकाश डालिये।

2. (a) भक्ति काल के प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाओं पर प्रकाश डालिये।

   (b) जायसी की प्रेम व्यंजना पर संक्षिप्त लेख लिखिये।

3. बिहारी की श्रृंगारिकता को स्पष्ट कीजिये।

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOV 2022.

First Semester

Hindi

Paper I — HISTORY OF HINDI LITERATURE

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1 रीतिकाल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिये।

2. (a) बिहारी की कविताओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

(b) घनानंद की वियोग वेदना को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

3. (a) किन्हीं कवियों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

(i) जायसी

(ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास

(iv) घनानंद

(b) किन्हीं विषयों टिप्पणि लिखिये।

(i) हिन्दी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन

(ii) भक्ति कालीन साहित्य चेतना

(iii) कृष्ण काव्य परम्परा

(iv) घनानंद की वियोग वेदना

(102HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOV 2022.

First Semester

Hindi

Paper II — THEORY OF INDIAN LITERATURE

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) रस संप्रदाय के इतिहास पर प्रकाश डालिये तथा भरत का रस सूत्र स्पष्ट कीजिए।

   (b) भारतीय काव्य-शास्त्र के आधार पर काव्य के विविध रूपों को स्पष्ट कीजिये।

2. (a) ध्वनि संप्रदाय के इतिहास पर प्रकाश डालते हुये ध्वनि भेद को बताइये।

   (b) औचित्य और उसकी अवधारणा को समझाइये।

3. शब्द शक्ति से क्या अभिप्राय है। उनके भेदों पर प्रकाश डालिये।

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOV 2022.

First Semester

Hindi

Paper II — THEORY OF INDIAN LITERATURE

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. अलंकार की अवधारणा-अस्थिर धर्म को समझाइये।

2. (a) वक्रोक्ति सिद्धांत का परिचय देते हुये स्वभावोक्ति और वक्रोक्ति के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

 (b) साहित्य की परिभाषा देते हुये, शब्द और अर्थ के बारे में बताइये।

3. (a) किन्हीं टिप्पणियाँ लिखिए।

 (i) रस निष्पति

 (ii) साधारणीकरण

 (iii) वक्रोक्ति और अभिव्यंजना

 (iv) शब्द और अर्थ

 (b) किन्हीं टिप्पणियाँ लिखिए।

 (i) अलंकार और रस

 (ii) रीति और शैली

 (iii) ध्वनि विरोधी अभिमत

 (iv) रीति के प्रकार

(103HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOV 2022.

First Semester

Hindi

Paper III — OLD AND MEDIEVAL POETRY

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) (i) सतगुरू ऐसा चाहिए जैसा सिकलीगर होई।
सबक मसकला फेरि करि देह द्रपन करे कोई।

(ii) मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोय।
जा तन की झाँई परैं, स्यामु हरित हुति होय।

(b) (i) खेलत मानसरोवर गई, जाइ पाल पर ठाढ़ी भई।
देखि सरोवर रहसहिं केली, पदमावति सौंहहिं सहेली
ए रानी मन देखु विचारी, गुहि नैहर रहना दिन चारी
जो लगि अहै पिता कर राजू, खेलि लेहु जो खेलहु आजु
पुनि सासुर हम गवनब काली, कित हम कित यह सखर पाली
कित आवन पुनि अपने हाथाँ, कित मिलि के खेलन एकसाथाँ
सासुननद बोलिन्ह जिउ लेहीं दारून ससुर न निसरै देहीं
पिउ पिआर सिर ऊपर, सो पुनि केरै दहँ काह
दहु सुख राखै की दुख, दहुँ कस जनम निबाह।

(ii) सरवर तरि पदुमिनी आई। खोंपा छोरि केस मोरकाई।
ससि मुख अंग मलैगिरी रानी। नागन्ह झाँपि लीन्ह अरधानी
ओनए मेघ परी जम छाँह। ससि को सरन लीन जनु राहाँ
छपि गै दिनहि भानु के दशा। लै निसि लखल चाँद परगसा।
भूलि चकोर दिस्टि तहँ लावा। मेघ घटा महँ चाँद देखावा।
दसन दामिनी कोकिल भाषी। मौं हैं धनुक गगन लै शखी।
नैन खोजन हुई केलि करेहीं। कुच नारैंग मधुकर रस लेहीं।
सखर रूप विमोहा हिएँ हिलोर करेइ।
पाय धुअइ मकु पावों तेहि निसु य हरै देई।

(c) (i) सिखत चलन जसोवा मैया।
अरबराई करि पानि गहावति, डगमगाइ घरनी घरै पैया।
कबदुँक सुन्दर बदन बिलोकति, उर आनंद भरि लेत बलैया।
कबदुँक कुल देवता मनावति, चिरजीवहु मेरों कुँवर कन्हैया।
कबदुँक बल कौ टेरि बुलावति, इहि आँगन खेलहु दोऊ भेया
'सूरदास'-स्वामी की लीला, अति प्रताप बिलसत नैदरैया।

(ii) निर्गुन कौन देस की बासी?
मधुकर हंसि समुझाय सौंह दै, बूझति साँच न हाँसी।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि को दासी।
कैसो बरन भेष है कैसो के हि रस को अभिलाषी
पावेगौ पुनि कियो आपनो, जो रे कहैगो गाँसी।
सुनत मौन है रहनों ठगो सो सूर सबै मतिनीसी।

(d) (i) स्वारथु सुकृत न स्त्रमु बृथा, देखि बिहेग बिचारि।
बाज पराये पानि पर, तू पच्छीनु न मारि।

(ii) लाख लाख भाँविन की दुसह दसनि जानि
साहस सहारि सिए ओर लौ चलाय हौं।
ऐसे धनानंद गहि है टेक मन माहिं;
ऐसे निरदई। तोहि दया उपजाय हों।

2. (a) पृथ्वीराज रासो कृत ''पद्मावती समय'' की वस्तुगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

(b) पद्मावत में भारतीय संस्कृति तथा लोक जीवन के रूप पर प्रकाश डालिये।

3. (a) कबीर की काव्य प्रतिभा पर प्रकाश डालिये।

(b) जायसी की काव्य प्रतिभा, दर्शन के बारे में लिखिये।

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOV 2022.

First Semester

Hindi

Paper III — OLD AND MEDIEVAL POETRY

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) लोक नायक के रूप में तुलसी के महत्व को निरूपित कीजिए।

   (b) धनानंद की काव्य प्रतिभा और विप्रलंभ श्रृंगार पर प्रकाश डालिये।

2. (a) किन्हीं टिप्पणियाँ लिखिये।

   (i) कबीर का रहस्यवाद

   (ii) सूफी सिद्धांत और रहस्यवाद

   (iii) तुलसीदास की सांस्कृतिक चेतना

   (iv) बिहारी की श्रृंगारिकता

   (b) किन्हीं टिप्पणियाँ लिखिये।

   (i) घनानंद के काव्य का कलापक्ष

   (ii) सूफी सिद्धांत और रहस्यवाद

   (iii) तुलसी का लोकनायकत्व

   (iv) बिहारी की श्रृंगारिकता

———————

(104HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION NOV 2022.

First Semester

Hindi

Paper IV — HINDI PROSE

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) (i) ''अब तो किसी भाँतिसिर का बोझा उतारना था, किसी भाँती लड़की को पार लगाना था – उसे कुएँ झोंकना था।
यह रूपवती है, गुणशीला है, चतुर, कुलीन हैं ती हुआ करे, दहेज नहीं तो उसके सारे गुण दोष हैं; दहेज हो तो सारें दोष गुण है प्राणी का कोई मूल्य नहीं; केवल देहेज का मूल्य है।

(ii) मातृप्रेम में कठोरता होती थी, लेकिन मृदुलता से निलीहुई। इस प्रेम में करूणा थी, पर वह कठोरता न थी जे आत्मीयता का गुप्त संदेश है। स्वस्थ अंग की परवाह कौन करता हैं? लेकिन वही अंग जब किसी वेदना से टपकने लगता है, उसे ठेस और धक्के से बचाने का यत्न किया जाता है।

(b) (i) ''मुझे भारत की सीमा से दूर ले चलिए नहीं तो मैं पागल हो जाऊँगी। जाओं प्रियतम सुखी जीवन बिताने के लिये और मैं जाती हूँ चिर दुखी जीवन का अंत करने के लिये।''

(ii) राज्य किसी का नही है। सुशासन का है। जन्मभूमि के भक्तों में आज जागरण है। देखते नहीं, प्राच्य में सूर्योदय हुआ है।

(c) (i) यदि तुम मेरे पति हो तो मैं तुम्हें अपना सब कुछ ही दे सकती। मेरी इच्छा है, मेरे शौक है। मैं मजबूर नहीं हूँ कि एक ही दुकान से हमेशा सौदा खरीदती रहूँ।

(ii) आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठा में ही उत्साह का दर्शन होता है, केवल कष्ट सह्ने के विश्चेष्ट साहस में नहीं। धृति और साहस दोनों का उत्साह के बीच सेचरण होता है।

(d) (i) ''क्षमा कीजिए इस में महाराज की शक्ति का अपमान नही है। मेरे कलिंग के लोग वीर है। वे माता की तरह अपनी भूमि का आदर करते है। जब तक एक भी वीर है, तब तक कलिंग की जय का घोष वायु को सहना ही पड़ेगा''।

(ii) बाप सेर है तो लड़का सवा सेर-कहता है कि शादी का सवाल दूसरा है, तालीम का दूसरा। क्या करूँ मजबूरी है। मतलब अपना है, वरना इन लड़कों और इनके बापों को ऐसी कोरी-कोरी सुनाता कि ये भी''

2. (a) चन्द्रगुप्त अथवा चाठाक्य का चरित्र-चित्रण कीजिये।

(b) चन्द्रगुप्त नाटक की कथा वस्तु की समीक्षा कीजिए।

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION NOV 2022.

First Semester

Hindi

Paper IV — HINDI PROSE

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) 'निर्मला' उपन्यास में व्यंजित सामाजिक समस्याओं की समीक्षा कीजिए।

   (b) निर्मला उपन्यास में प्रतिपादित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

2. (a) महाभारत की एक साँझ अथवा ''रीढ़ की हड्डी एकांकी की कथा वस्तु की समीक्षा कीजिये।

   (b) एकांकी के तत्वों के आधार पर 'सूखी डाली' और 'महाभारत' की एक साँझ का विश्लेषण कीजिए।

3. (a) किन्हीं टिप्पणियाँ लिखिए।

   (i) उत्साह

   (ii) श्रद्धा एवं भक्ति

   (iii) रूक्मिणी

   (iv) निर्मला

   (b) कि टिप्पणियाँ लिखिए।

   (i) ठेस कहानी

   (ii) अपरिचित

   (iii) चिंतन चालू है।

   (iv) यात्रावृत्तांत

(105HN21)

ASSIGNMENT – 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOV 2022.

First Semester

Hindi Paper V — SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR – PREMCHAND

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए।

   (b) औपन्यासिक तत्वों के आधार पर "गोदान" की समीक्षा कीजिए।

2. (a) "गोदान" उपन्यास में प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

   (b) "गोदान" उपन्यास की प्रमुख सामाजिक समस्या पर प्रकाश डालिये।

3. हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

ASSIGNMENT – 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOV 2022.

First Semester

Hindi Paper V — SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR – PREMCHAND

MAXIMUM MARKS: 30

ANSWER ALL QUESTIONS

1 "सेवासदन" उपन्यास की कथा वस्तु पर प्रकाश डालिये।

2. (a) रंग भूमि उपन्यास में व्यंजित प्रमुख समस्यों का परिचय दीजिए।

(b) रंग भूमि उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए।

3. (a) कहानी का तात्विक विवेचना कीजिए।

(i) गिल्ली डंडा

(ii) ईदगाह

(iii) स्वामिनी

(iv) बेटों वाली

(b) टिप्पणियाँ लिखिये।

(i) होरी

(ii) गोबर

(iii) सुमन

(iv) सूरदास